>

Title: Need to extend benefits of reservation to 'Maratha' community in Maharashtra.

श्री राजू शेट्टी (हातकंगले): महाराष्ट्र में मराठवाड़ा, पश्चिमी महाराष्ट्र, उत्तर महाराष्ट्र, विदर्भ और कोंकण के ग्रामीण क्षेत्र में खासकर छोटे, मध्यम और भूमिहीन किसान "मराठा" जाति के हैं। उनका परिचय "कुणबी" (खेत में काम करने वाला) के रूप में सब जगह है। महाराष्ट्र की संस्कृति और इतिहास में भी "कुणबी-मराठा" का जिक्र बार-बार हो चुका है। मंडल आयोग ने "कुणबी" जाति को ओ.बी.सी. आरक्षण की सूची में लिया है। लेकिन ज्यादा पढ़े-लिखे न होने के कारण ज्यादातर "मराठा" समाज के देहाती लोगों ने अपने नाम के साथ "कुणबी" यह शब्द न लगाने के कारण इन्हीं सब समाज को ओ.बी.सी. आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा है।

ज्यादातर मध्यम, छोटे और भूमिहीन किसान ये सब "मराठा" जाति के ही हैं और महाराष्ट्र में जितनी भी आज तक आत्महत्याएँ हुई है उनमें से ज्यादातर किसान "मराठा" जाति के हैं। आरक्षण की मांग को लेकर महाराष्ट्र का "मराठा " समाज पहले ही आंदोलित है, इससे महाराष्ट्र की सुव्यवस्था पर उसका बुरा असर पड़ने की संभावना को देखते हुए केंद्र सरकार द्वारा "मराठा" समाज को आरक्षण देने की नितांत आवश्यकता हे तथा सरकार को इस बारे में शीघ्र कार्यवाही करने की जरूरत है।